मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव 1.0 में ऐलान

यूपी चिकित्सा सेवा और तकनीक का हब बनेगा

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव 1.0 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल भवन खड़े करना नहीं था, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था तैयार करना था, जिसमें अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को भी सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। प्रदेश को मेडिकल टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर इनोवेशन और फार्मा मैन्युफैक्चरिंग का राष्ट्रीय तथा वैश्विक हब बनाने की दिशा में सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

अंतिम पायदान तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा: मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश के सबसे बड़े हेल्थकेयर कंज्यूमर मार्केट के रूप में 35 करोड़ से अधिक लोगों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं का भार वहन करता है। पिछले पौने नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में वह परिवर्तन किया है, जिसकी कल्पना पहले संभव नहीं थी। उत्तर प्रदेश सिर्फ 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य ही नहीं, देश-पड़ोसी राज्यों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति का सबसे बड़ा केंद्र भी है।

आयुष्मान योजना ने बदली गरीब की तकदीर: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लागू होने से पहले किसी गरीब परिवार में यदि कोई गंभीर रूप से बीमार हो जाता था, तो पूरा परिवार भय और आर्थिक संकट में घिर जाता था। इलाज अधूरा छूट जाता था, क्योंकि न सरकार का सहयोग होता था और न ही संसाधन। आज उत्तर प्रदेश में 5.5 करोड़ परिवारों को आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

मातृ-शिशु मृत्युदर में उल्लेखनीय गिरावट: मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सुधारों के परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश ने मातृ एवं शिशु मृत्युदर को नियंत्रित करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। संस्थागत प्रसव अब राष्ट्रीय औसत के समकक्ष पहुंच चुका है। कई जनपद ऐसे हैं, जहां ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया है। मात्र दो वर्षों में इंसेफेलाइटिस को नियंत्रित कर लिया गया। आज यूपी में इंसेफेलाइटिस से ज़ीरो डेथ दर्ज की जा रही है। ➤ अहम भूमिका P04

मुख्यमंत्री ने कहा- अंतिम व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देना मकसद

यूपी हेल्थटेक कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

टेक्नोलॉजी से 'ईज ऑफ लिविंग' की ओर

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगला लक्ष्य प्रधानमंत्री के 'ईज ऑफ लिविंग' विज़न को साकार करना है। इसके लिए तकनीक का अधिकतम उपयोग जरूरी है। स्क्रीनिंग गांव से शुरू हो, ताकि 40-50 किमी दूर न जाना पड़े। हेल्थ-वेलनेस सेंटर पर तय हो कि मरीज को कैसी चिकित्सा की जरूरत है। टेलीकंसल्टेशन, टेलीमेडिसिन, एआई आधारित स्क्रीनिंग से यह संभव है।

सॉफ्टवेयर का लोकार्पण और एसओपी पुस्तक का विमोचन

मुख्यमंत्री ने यूपी-इंटीग्रेटेड मेडिकल रिसर्च एप्लीकेशन सिस्टम सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया। यह प्लेटफॉर्म क्लीनिकल ट्रायल, फार्मास्यूटिकल्स, मेडिकल उपकरणों से जुड़े अनुसंधान कार्यों को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए विकसित किया गया है। योगी ने इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर से संबंधित पुस्तक का विमोचन भी किया। इसमें 22 एसओपी का संकलन है।

05 करोड़ से अधिक को आयुष्मान कार्ड दिए जाने का मुख्यमंत्री का दावा

दो लाख परिवारों के घर का सपना साकार होगा

लखनऊ। मुख्यमंत्री ने रविवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के 2 लाख 9 हजार 421 पात्रों के खाते में पहली किस्त का पैसा भेजा। उन्होंने कहा कि इससे दो लाख से अधिक परिवारों के अपने घर का सापना साकार होगा। ➤ ब्योरा P04

निवेशकों को आमंत्रण

मुख्यमंत्री ने निवेशकों और उद्योग जगत को आमंत्रण देते हुए कहा कि प्रदेश में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा, सिंगल विंडो सिस्टम उपलब्ध है। सरकार समयबद्ध स्वीकृति और हर स्तर पर सहयोग तय करेगी। विश्वास जताया कि यूपी तकनीक, हेल्थकेयर और फार्मा क्षेत्र में दुनिया का प्रमुख केंद्र बन सकता है।